एलिस रेम्ज़ी की रोमांचक यात्रा

एलिस रेम्ज़ी की रोमांचक यात्रा

9 जून 1909 के दिन ऐलिस रेम्ज़ी अपनी मैक्सवेल कार में न्यू यॉर्क नगर से चली और एक रोमांचक यात्रा आरम्भ हो गई. ऐलिस रेम्ज़ी अमरीका के एक छोर से चल कर दूसरे छोर तक कार में जाने वाली पहली महिला बनना चाहती थी.

ऐलिस की मित्र, हरमाइन और उसकी कज़न बहनें, नेट्टी और मार्गरेट, उसके साथ यात्रा कर रही थीं. उन्हें कारों के विषय में कोई जानकारी न थी. कार की मरम्मत करना ऐलिस की ज़िम्मेवारी थी, यद्यपि जिस कम्पनी ने कार बनाई थी और जो इस यात्रा का समर्थन कर रही थी, उस कपंनी ने ऐलिस को सहायता देने का आश्वासन दिया था.

कार का बहुत ध्यान रखने की आवश्यकता थी. अगली सीट के नीचे जो टैंक था, उसमें भरे हुए गैसोलीन को मापने के लिए ऐलिस एक छड़ी का उपयोग कर रही थी. कार के हेडलैम्प्स पीतल के डिब्बों में रखी मशालें थीं और उन्हें जलाने के लिए ऐलिस को माचिस का उपयोग करना पड़ता था. हॉर्न रबर का एक बल्ब सा था.

कार चलाते समय ऐलिस को उसका परिचालन करना होता था, लीवर को ठीक से बैठना पड़ता था, इंजन का ध्यान रखना पड़ता था. इतना ही नहीं, उसे अपना रास्ता भी खोजना पड़ता था. सड़कें कम और पतली, धूल से भरी थीं. उन सड़कों पर कारें कम चलती थीं, अधिकतर तो घोड़े ही दौड़ते थे. दिशा बताने के लिए सड़कों पर कोई साइन बोर्ड न थे. रास्ता जानने के लिए ऐलिस को या तो लोगों से पूछना पड़ता था या फिर ब्लू बुक के निर्देशों का पालन करना पड़ता था.

कार चलाने वालों का मार्ग दर्शन करने के लिए ब्लू बुक एक इकलौती किताब थी जो उस काल में उपलब्ध थी. और इसमें भी सिर्फ पूर्वी यूनाइटेड स्टेट्स के बारे में जानकारी थी. इस में बताया गया था कि नगरों के बीच दूरी कितनी थी और कहाँ पर मोड़ काटना था. 'लाल खलिहान जिसके निकट एक पीला साइलो है वहां से बायें घूमें', इसमें लिखा होता. यह उत्तम निर्देश थे, लेकिन तब तक ही जब तक कि इस बीच उस किसान ने अपने साइलो को नीले रंग से पेंट न कर न दिया हो.
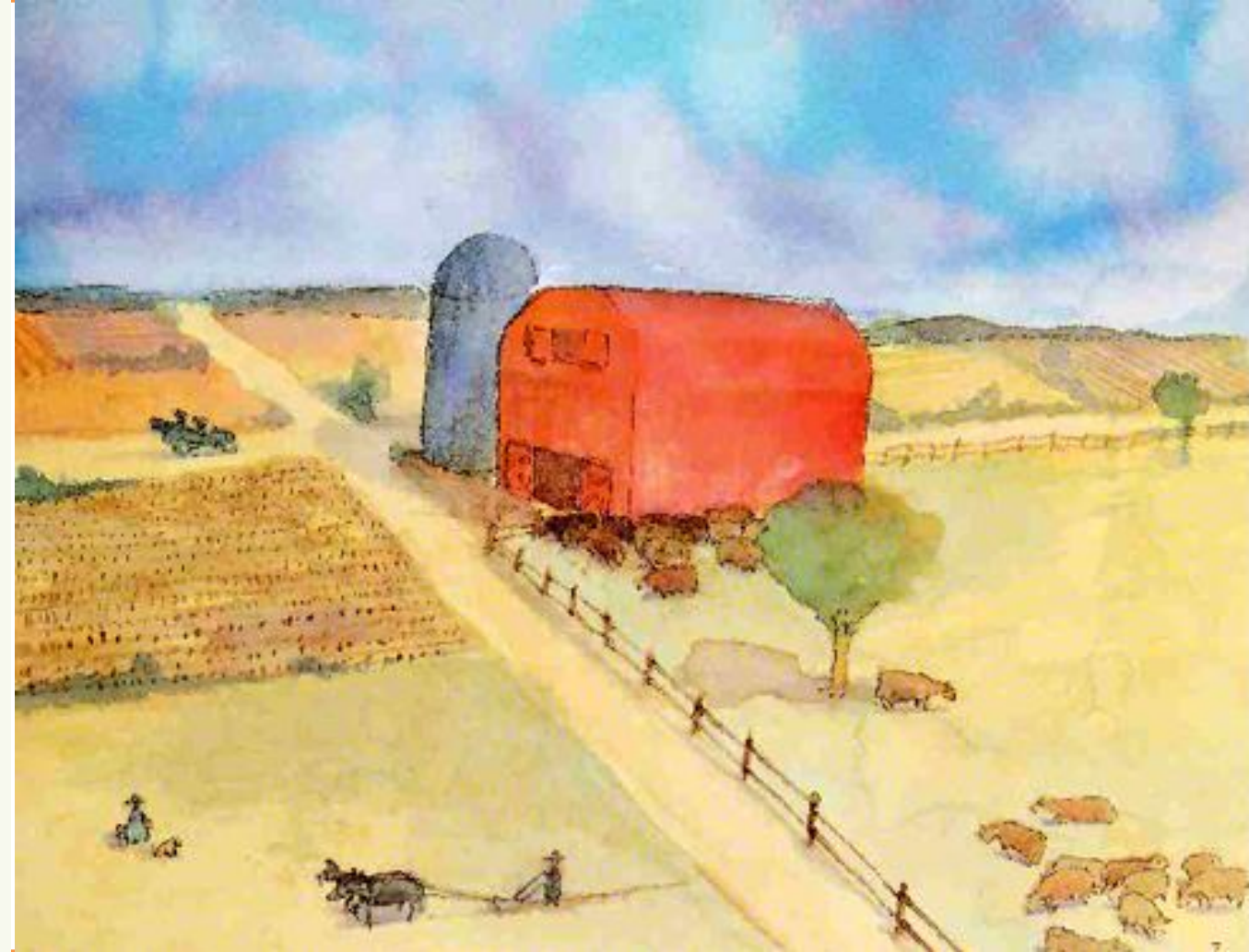
अमेरिका ने अपने आप को धीरे-धीरे प्रकट किया: न्यू यॉर्क, पेनसिलवेनिया, ऑहियो, एक के बाद एक नगर आये और पीछे चले गये. कई-कई खेतों के पास से उनकी कार गई.

टोलेडो, ऑहियो, के निकट ऐलिस ने अपनी मैक्सवेल को सबसे तेज़ गति पर दौड़ाया - बयालीस मील प्रति घंटे की गति से!

इल्लिनोई में कार को वह धीरे ही चला पाई.
रास्ते पर बहुत सारे सूअर थे -
बड़े सूअर, छोटे सूअर,
भूरे, काले और गुलाबी सूअर!

शिकागो, इल्लिनोई रेलों का केंद्र था. मीलों मील तक रेल की पटरियाँ पार करते समय कार उछलती रही, और औरतों को चक्कर आने लगे.

जैसे ही वह मिस्सिस्सिपी नदी के पश्चिम तट के निकट आईं, वर्षा आरम्भ हो गई. बहुत पानी बरसा. मिट्टी की सड़क पानी में घुल कर गाढ़े, गंदे कीचड़ में परिवर्तित हो गई. कार चलाना बहुत कठिन हो गया.

कीचड़ में कई मील कार चलाने के बाद वह एक नदी के पास पहुंचीं जिसका नाम वीसल क्रीक था. इस नदी में बाढ़ आ रखी थी और उस पर बना पतला पुल पानी में डूब गया था.

ऐलिस ने अपने जूते और अपनी स्कर्ट उतार दी. वह कार से बाहर आई और अपने कपड़ों को उठा कर घुटनों के ऊपर कर लिया. नदी में अपने को स्थिर रखने के लिए उसने छाते का उपयोग किया और सावधानी के साथ पानी में चलने लगी और पानी की गहराई नापने लगी.

ऐलिस ने पाया कि पानी इतना गहरा था कि कार नदी को पार न कर सकती थी.

चारों औरतें नदी में पानी घटने की प्रतीक्षा करने लगीं. निकट के फ़ार्म से पचीस सेंट में खरीदी ब्रेड खाकर और पानी कर उन्होंने पिकनिक की. अँधेरा होने लगा. उन्होंने कार के साइड पैनल निकाल कर मैक्सवेल के ऊपर रख लिए. ऐलिस ने अपने पैर डैशबोर्ड पर टिका दिये. बाकी औरतें भी किसी तरह कार में सोने का प्रयास करने लगीं.
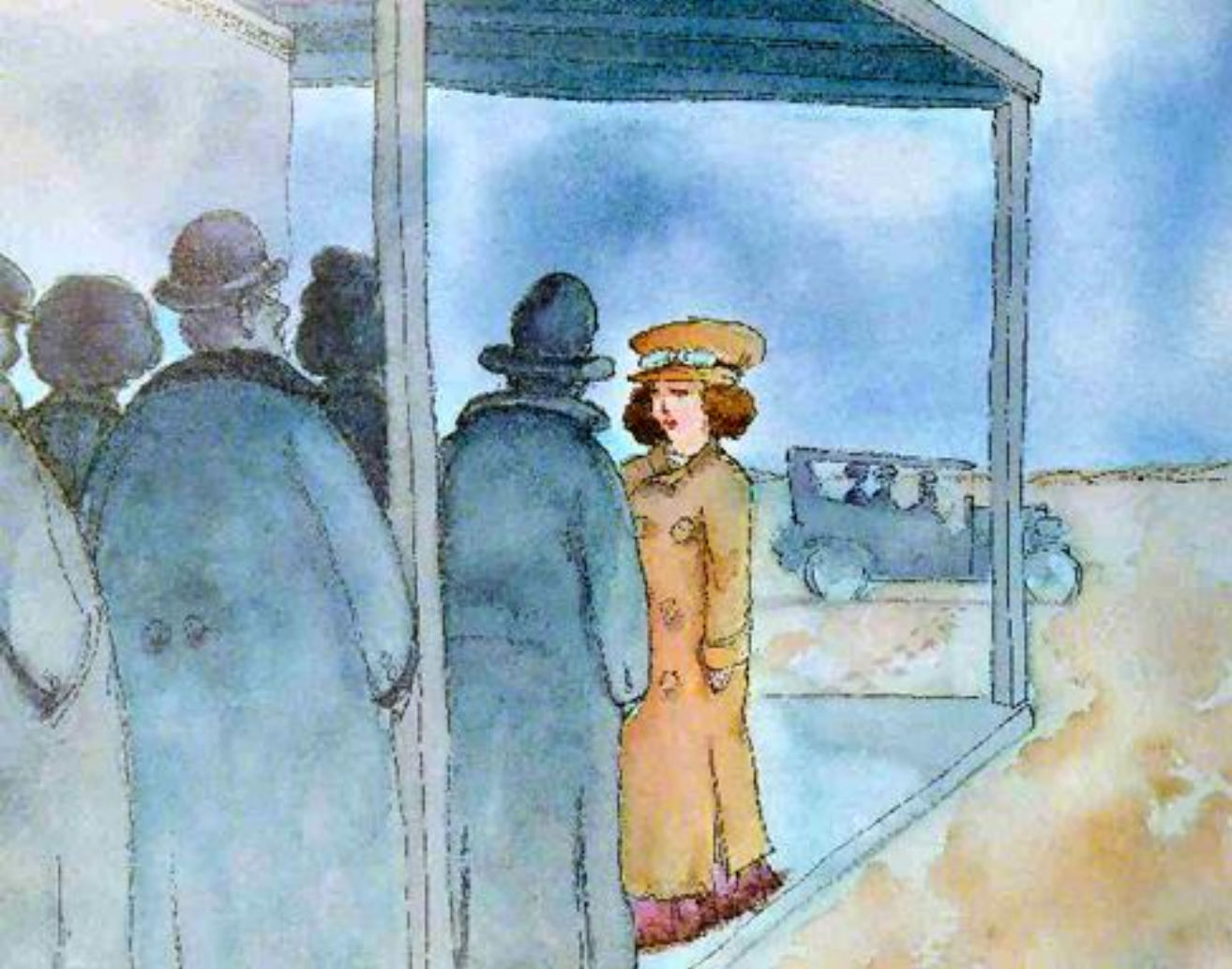
अगले दिन भोर के समय नदी का जल स्तर इतना नीचे आ गया था कि ऐलिस अपनी कार को नदी पार ले जा सकती थी. लेकिन वर्षा और कीचड़ के कारण आगे जाना लगभग असंभव से हो गया था.

“इन रुकावटों से बचने के लिए कार को रेल द्वारा आगे ले जाओ,” वहाँ के निवासियों ने सुझाव दिया.

“मैं कार को सारे रास्ते चला कर ही ले जाऊँगी, चाहे इस प्रयास में मैं मर ही क्यों न जाऊं,” ऐलिस ने उत्तर दिया.

कार का वज़न कम करने के लिए ऐलिस ने तय किया कि हरमाइन, नेट्टी और मार्गेट रेल द्वारा यात्रा करेंगी और आगे जाकर उससे मिलेंगी.

लेकिन ऐलिस अकेले यात्रा न करने वाली थी. मैक्सवेल कम्पनी का एक व्यक्ति, जे डी मर्फी, उसके साथ यात्रा करने लगा.
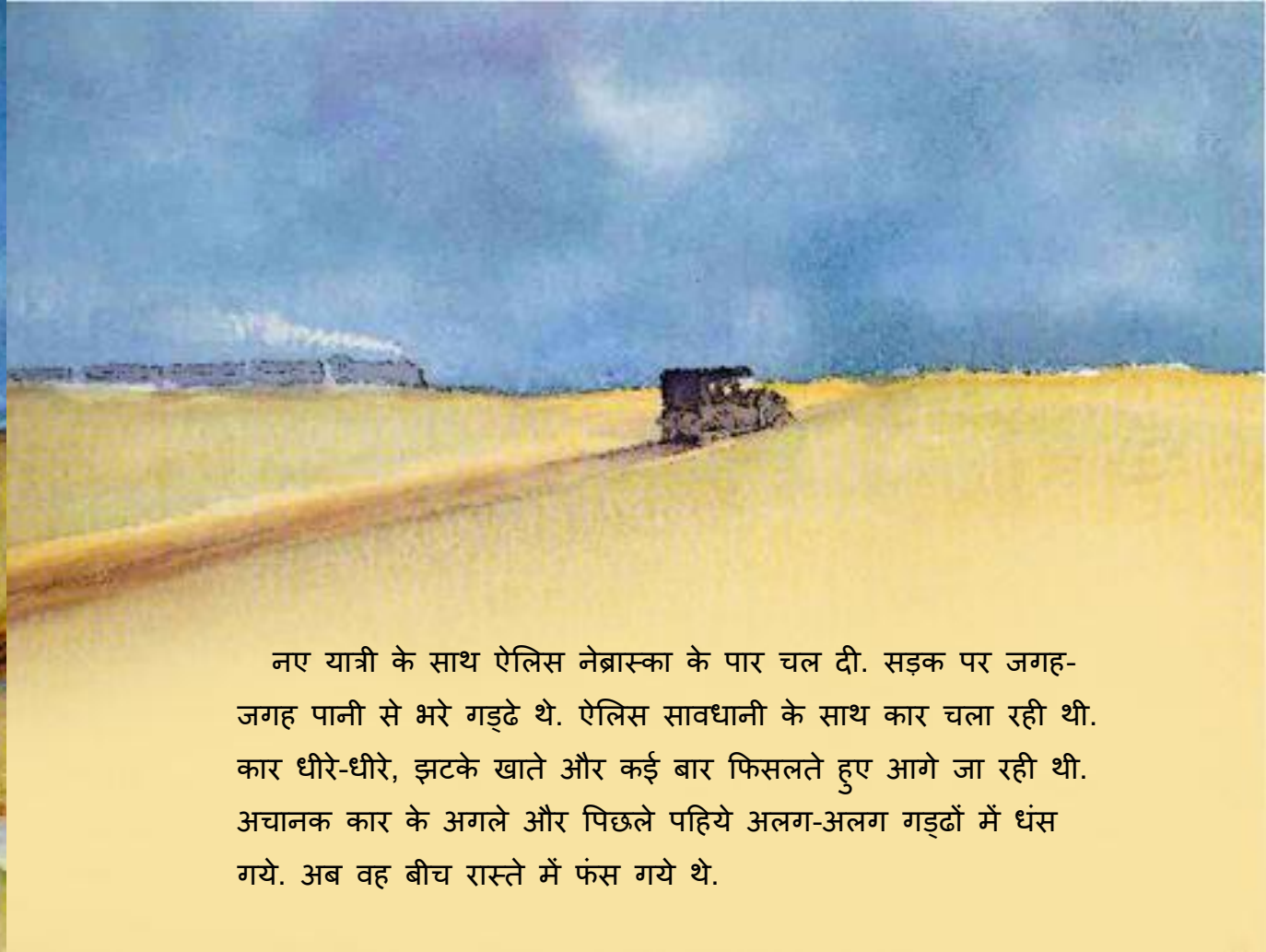
नए यात्री के साथ ऐलिस नेब्रास्का के पार चल दी. सड़क पर जगह-जगह पानी से भरे गड्ढे थे. ऐलिस सावधानी के साथ कार चला रही थी. कार धीरे-धीरे, झटके खाते और कई बार फिसलते हुए आगे जा रही थी. अचानक कार के अगले और पिछले पहिये अलग-अलग गड्ढों में धंस गये. अब वह बीच रास्ते में फंस गये थे.

वह इस मुसीबत से कैसे झुटकारा पा सकते थे?

जे डी कार की पिछली तरफ आया. उसने लकड़ी का एक टुकड़ा पिछले पहिये के नीचे घुसा दिया. ऐलिस ने कार को पूरी ताकत से चलाने की कोशिश की. किसी तरह पहिये गड्ढों से बाहर निकल ही आये और, जे डी पर कीचड़ की बौछार करते हुए, कार आगे चल दी.

ऐलिस और जी डी पश्चिम दिशा में आगे चलते गये.

हरमाइन, नेट्टी और मार्गेरट अंतत: सू सिटी, दक्षिण डेकोटा में ऐलिस से मिले. वह फिर एक साथ यात्रा करने लगीं. वर्षा रुक गई थी, परन्तु यात्रा अभी भी कठिन थी.

कार एक विशाल गड्ढे में जा फंसी. घोड़ों को ले जा रहे एक लड़के ने घोड़ों की सहायता से कार को खींच कर बाहर निकाला.

कार की ब्रेक का पेडल टूट गया. ऐलिस कार के नीचे रेंगते हुए गई और उसने एक तार काट कर उसे ठीक किया.

कार का एक्सेल टूट गया. ऐलिस और एक मैकेनिक ने मिलकर उसे बदल कर नया एक्सेल लगाया.

ओले गिरने लगे और औरतों ने निकटवर्ती फार्म में शरण ली, जिस परिवार का वह फार्म था वह सिर्फ डेनिश भाषा बोल सकता था.

वायोमिंग में पत्थरीली पहाड़ियों, जिन्हें अरोयो कहते हैं, पर सड़क ऊपर की ओर जा रही थी. उनकी मैक्सवेल कार बार-बार पीछे की ओर फिसल रही थी. ऐलिस ने हरमाइन, नेट्टी और मार्गेट को कार के पास खड़े होने को कहा. यह तीनों बारी-बारी कार के पहियों के पीछे लकड़ी के शिलाखंड रख देती थीं. जब तक की कार पहाड़ी की चोटी तक नहीं पहुँच गई वह ऐसे ही करती रहीं.
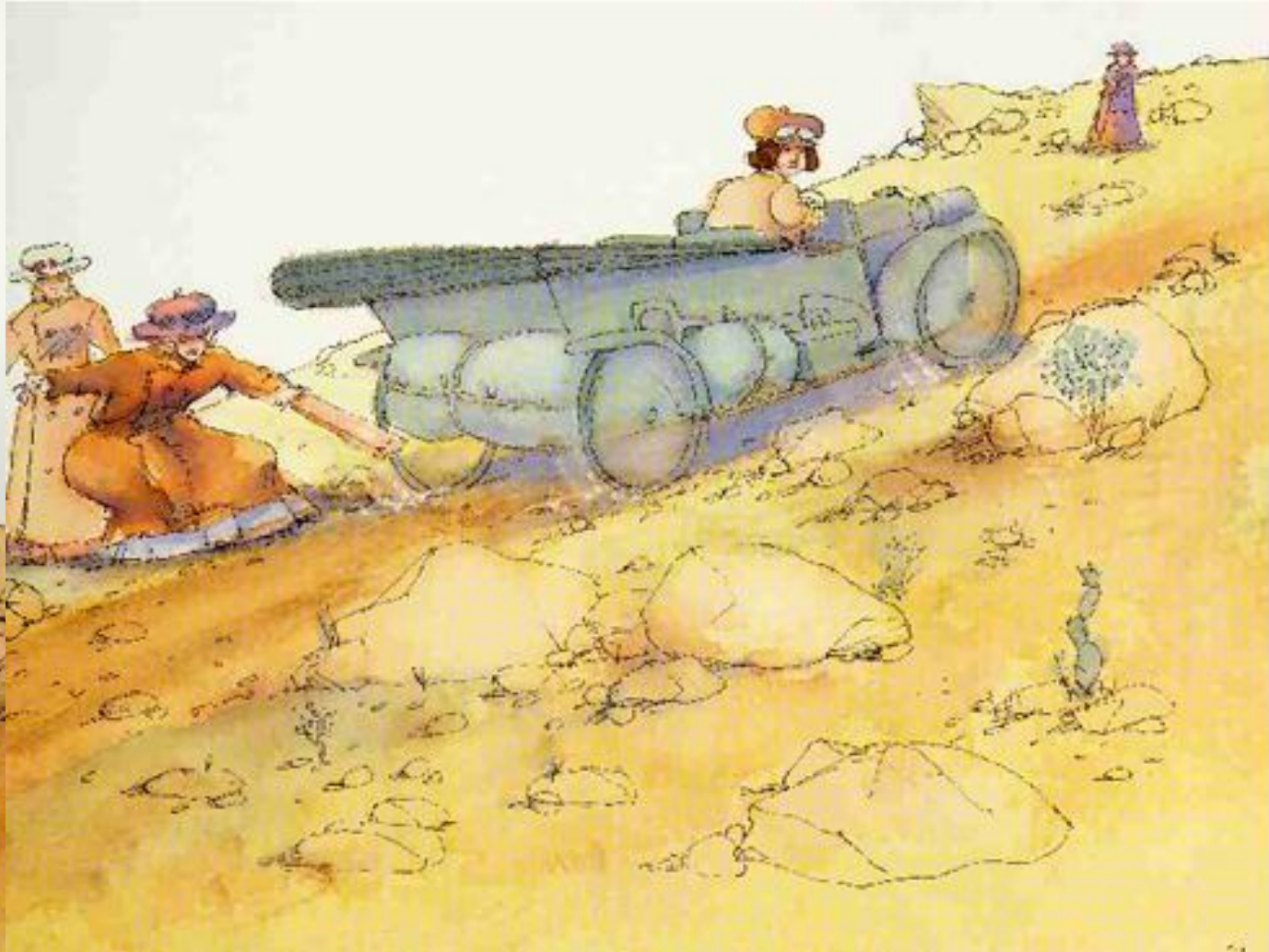
प्लैट नदी अगली बाधा थी. नदी पार करने के लिए सिर्फ एक रेल का पुल था. ऐलिस सावधानी के साथ कार को पुल के ऊपर ले आई. वह धीरे-धीर कार को ध्यान से आगे चलाती रही-अगर वह ऐसा न करती तो कार के पहिये रेल की पटरी में फंस सकते थे. धम्म! धम्म! धम्म! लगभग एक मील तक कार ऐसे उछलते हुए चलती रही और अंततः उन्होंने नदी पार कर ही ली.
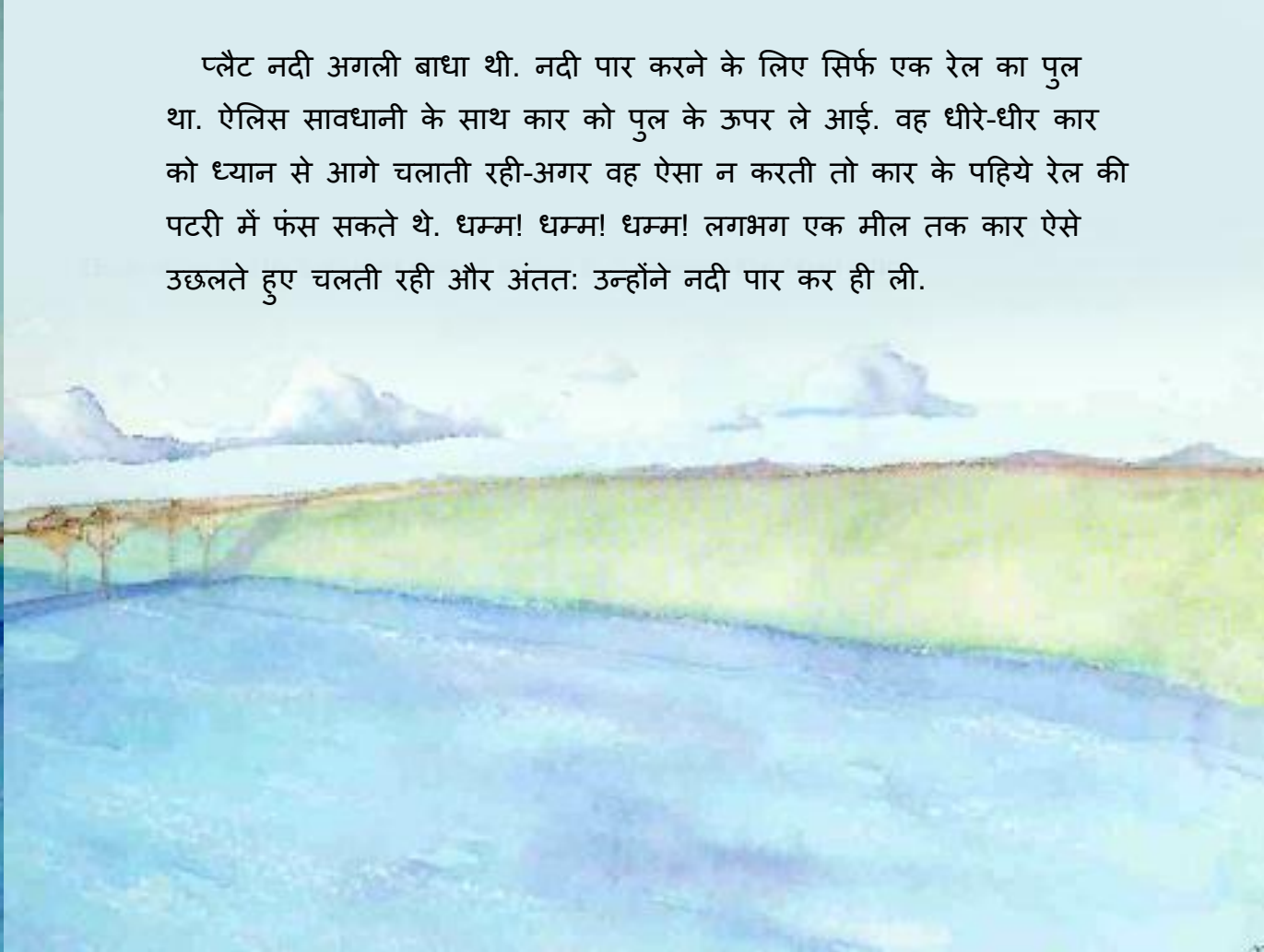
सड़क घोड़ा गाड़ियों के लिए बनी एक पगडंडी से अधिक न थी और कई जगह वह लुप्त हो जाती थी. ऐलिस टेलीफोन के खम्बों के सहारे इस आशा से आगे चलती गई कि टेलीफोन की तारें उसे अगले नगर तक रास्ता दिखा देंगी. पर सदा सफलता न मिलती थी-कई बार वह रास्ता भटक गई.
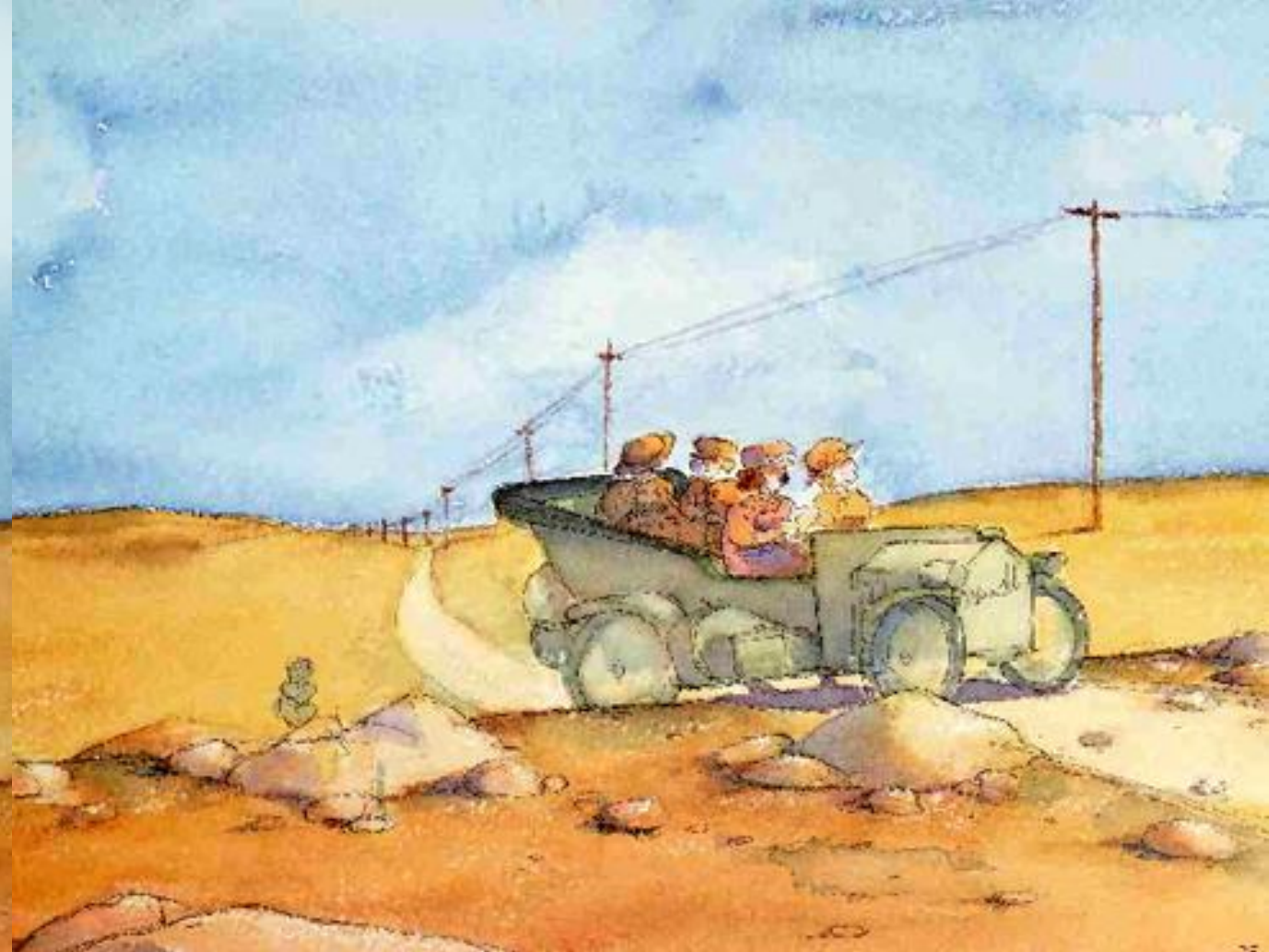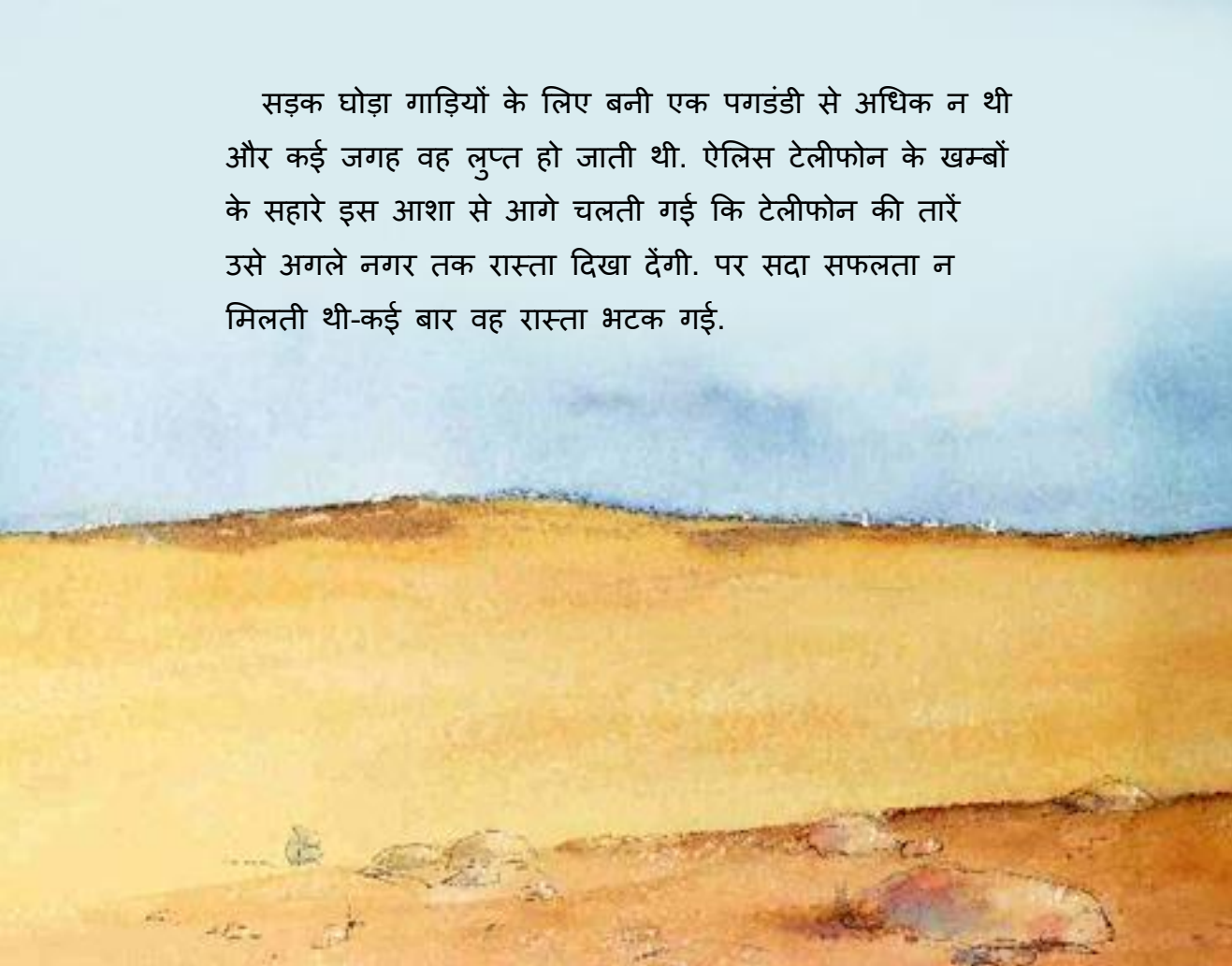
ऐलिस और उसकी मित्र उटाह पहुँचीं. मीलों लंबा रेगिस्तान उनके सामने था. यह निर्जन जगह थी और ऐलिस शीघ्र इसे पार कर लेना चाहती थी.

लंबे, गर्म दिनों में उसे देर तक कार चलानी पड़ती. कभी-कभी भोर होने से पहले ही वह यात्रा शुरू कर देती और देर रात तक कार चलाती. एक बार तो ऐलिस ने सत्रह घंटों तक कार चलाई, फिर कार के सीट के कुशन का बिस्तर बना कर सिर्फ तीन घंटे सोयी और उठ कर दुबारा कार चलाने लगी.

रेतीले रास्ते पर कार चलाते-चलाते वह नेवादा पहुँचीं. दौड़ती हुई कार को देखने के लिए वहाँ सिर्फ श्रृंगी मेंडक और मैगपाई पक्षी थे.

सिएरा नेवाडा के ऊंचे पर्वत उनके सामने थे: यह पर्वत ऐलिस की अंतिम बाधा थे. वह मैक्सवेल कार को पहाड़ पर चढ़ाने लगी. पर्वत के ऊपर जाती सड़क एक सर्प समान आगे-पीछे घूम रही थी. चढ़ाई पर कार को संघर्ष करना पड़ा. उसका इंजन बहुत गर्म हो रहा था. इंजन को ठंडा करने के लिए, हर मोड़ के बाद ऐलिस कार रोक कर हुड खोल देती. इस तरह सत्तर मील की यात्रा पूरी करने में उन्हें आठ घंटे लग गये.

इस कठिन चढ़ाई को चढ़ने के बाद औरतें कैलिफ़ोर्निया को देख कर प्रफुलित हो गयीं. वह अपने लक्ष्य के बिलकुल निकट थीं. सिएरा नेवादा के पर्वतों को पार कर वह ओकलैंड की ओर चल दीं.

ऐलिस कार को एक फेर्री पर ले आई और फेर्री उन्हें सेन फ्रांसिस्को ले गयी.

जब वह कार को फेर्री से बाहर लायी तो ऐलिस रेम्ज़ी अमरीका की पहली महिला बन गई जो कार द्वारा पूर्वी छोर से पश्चिमी छोर तक गई थी.

यह दिन था 7 अगस्त 1909. न्यू यॉर्क सिटी से चले हुए उनसठ दिन बीत गये थे.

कारों की एक परेड ने उनके साथ नगर में प्रवेश किया. लोग जोर-जोर से हॉर्न बजा रहे थे. दर्शक तालियाँ बजा रहे थे. ऐलिस रेम्ज़ी की इस अद्भुत उपलब्धि की सराहना करने के लिए एक शानदार पार्टी आयोजित की गई.
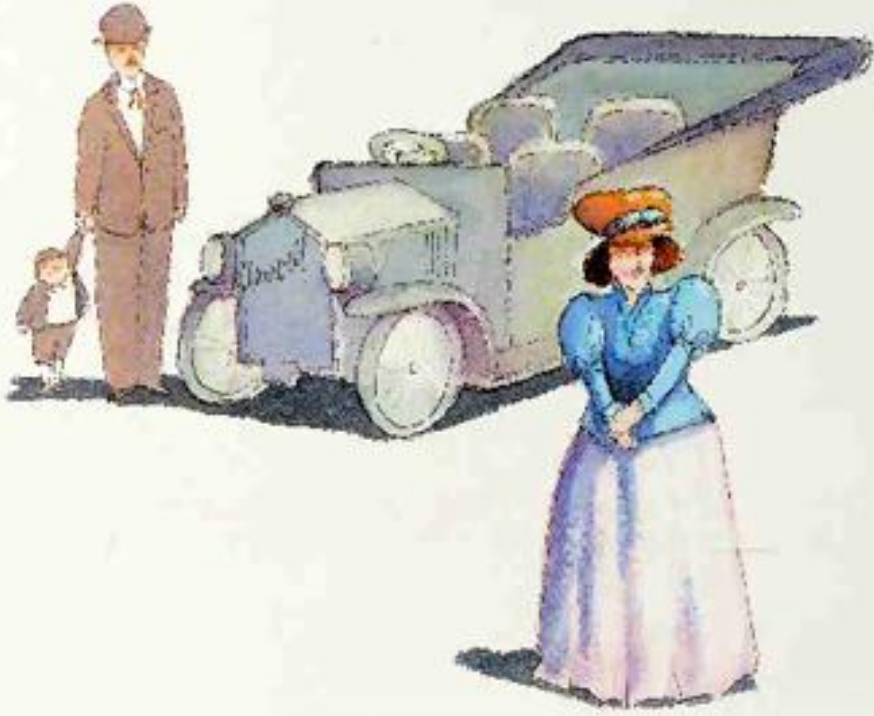
ऐलिस न्यू यॉर्क सिटी के निकट अपने घर लौटने को आतुर थी. लेकिन वह नई यात्राओं के बारे में सोच रही थी. अगले सत्तर वर्षों में ऐलिस ने अमरीका के आर-पार कई यात्राएं कीं.

समाप्त